

09/07/25

~~पञ्च~~ पञ्चावली खेला हवी।
 साधिवस्ता वारी उतु। न्यायालय
 समय मे रुत - रुत बर सापाल
 लगवारी गावी साधिवस्ता वारी
 सपवा वारी स्वयं उतु। सत!
 वारी हा वात पर आत हापर
 रुत वारी मे खाली जिया जा
 हा पञ्चावली मे मरु वतार लेव
 मरुत मे वत



(विशु केल)
 महायक पञ्चावली वत
 उपरुत उधिवारी
 विरुतुगुत (वत)